भारतीय वन सेवा के 2015 बैच के 60 प्रशिक्षु अधिकारियों (Probationers) का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में दिनांक 28/02/2016 एवं 4/03/2016 को भ्रमण

दिनांक 28/02/2016

दिनांक 28 फरवरी को भारतीय वन सेवा के 29 प्रशिक्षु अधिकारियों (Probationers) ने प्राध्यापक (Faculty) श्री के. कानन, भा.व.से. के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया। संस्थान के निदेशक श्री एन.के. वासु, भा.व.से. ने संस्थान एवं संस्थान की वन एवं पर्यावरण संबंधी तथा शुष्क एवं अर्धशुष्क क्षेत्रों के संदर्भ में वानिकी जैव विविधता संरक्षण तथा जैव उत्पादकता की वृद्धि हेतु वानिकी अनुसंधान गतिविधियों का विवरण पावर पांइट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया । श्री एन.के.वासु, भा.व.से. ने संस्थान में अनुसंधान हेतु ली जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं के चयन एवं उनके अन्तर्गत किये जाने वाले अनुसंधान कार्यों की प्रक्रिया की जानकारी भी बतायी । श्री वासु ने प्रशिक्षु अधिकारियों से अपने कार्य क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान एवं विषय-वस्तु की जानकारी रखने का आह्वान किया । श्री वासु ने अपने कार्यानुभव, विशेष कर काजीरंगा में हाथी एवं गेंडा जैसे वन्य जीव एवं वन्य जीव क्षेत्र के प्रबन्धन इत्यादि के अनुभव, को प्रशिक्षु अधिकारियों से साझा किया । मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव, जोधपुर, श्री गोविंद सागर भारद्वाज, भा.व.से. ने प्रशिक्षु अधिकारियों से रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र, यहाँ की जैव विविधता एवं उसकी महत्ता की विस्तार से चर्चा की, विशेषकर गोडावन पक्षी से संबंधित प्रबन्धन की जानकारी प्रशिक्षु अधिकारियों से साझा की। इस अवसर पर उप वन संरक्षक जोधपुर, श्री आर.के. सिंह, संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह, डॉ. के.के.श्रीवास्तव, डॉ. माला राठौड़, श्री पी.एच. चव्हाण भी उपस्थित रहे ।

इसके बाद इन प्रशिक्षु अधिकारियों ने संस्थान के निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का अवलोकन किया । कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने इन प्रशिक्षु अधिकारियों को वहाँ प्रदर्शित सूचनाओं एवं सामग्रियों का अवलोकन करवाया। डॉ. बिलास सिंह, वैज्ञानिक-बी ने भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन किया।

WELCOME

RESTORATION OF WATERLOGGED AREA THROUGH BIODRAINAGE

दिनांक 4/03/2016

भारतीय वन सेवा के 31 प्रशिक्षु अधिकारियों (Probationers) ने प्राध्यापक (Faculty) श्री उत्तम कुमार शर्मा, भा.व.से. के नेतृत्व में दिनांक 4 मार्च, 2016 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया । श्री एन.के.वासु, भा.व.से., निदेशक आफरी ने संस्थान एवं संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों का विवरण पावर पांइट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया । श्री वासु ने प्रशिक्षु अधिकारियों से वानिकी में भविष्य में आने वाली चुनौतियों के मद्देनजर जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में आधुनिक विधियों/तकनीकों (Tools) से सुसज्जित विषय विशेषज्ञता हासिल करने का आह्वान किया ताकि इन चुनौतियों का सहज समाधान संभव हो सके । श्री वासु ने कहा कि पौधारोपण के लिए पौध सामग्री का सुधार (Planting Stock Improvement) अनुसंधान का आधार है, नीम एवं शीशम जैसे पौधों में परिभाषित परिपाटियों (Traits) के अनुसार वृक्ष सुधार (Tree Improvement) का कार्य संस्थान में किया जाता है । श्री वासु ने काजीरंगा के अनुभव प्रशिक्षु अधिकारियों से साझा करते हुए बताया कि हमें एक मुख्य प्रकृति विज्ञानी (Chief Naturalist) की भूमिका भी अदा करनी पड़ती है, इसलिए अपने क्षेत्र एवं विषय में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिये । श्री वासु ने हाथी एवं गेंडा जैसे वन्य प्राणी तथा वन्य प्राणी प्रबन्धन के अपने कार्यानुभव भी प्रशिक्षु अधिकारियों से साझा किये । श्री वासु ने उन प्रक्रियाओं को भी दृष्टिगत रखने का आह्वान किया जिनसे वानिकी का निर्माण होता है (Processes involved in making of forestry)। इस दौरान संस्थान के समूह समन्वयक शोध श्री बी.आर.भादू भा.व.से, वैज्ञानिक डॉ. जी.सिंह, डॉ. के.के. श्रीवास्तव, डा. डी.के.मिश्रा तथा उप वन संरक्षक जोधपुर श्री आर.के. सिंह भी उपस्थित रहे।

इसके बाद प्रशिक्षु अधिकारियों ने संस्थान के निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का अवलोकन कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की । कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का अवलोकन कराते हुए वहाँ प्रदर्शित सूचनाओं एवं सामग्री से संबंधित जानकारी इन प्रशिक्षु अधिकारियों को उपलब्ध करवायी । भ्रमण कार्यक्रम में श्री महिपाल विश्नोई, अनुसंधान सहायक-द्वितीय का सहयोग रहा ।

WELCOME

DOMINANT FORES
TYPES OF RAJASTH

विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र